Roll No.....

Sr. No. of Question Paper	:	1365
Unique Paper Code	:	**244611**
Name of Course	:	**B.A. (Hons.) Part-III**
Name of the Paper	:	**Study of Ancient And Medieval Treatises**
Semester	:	**VI**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**75**

E

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any five questions. All questions carry equal Marks.
3. Answers may be written either in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

1. इस प्रश्न -पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. State the significance of Natyahastra from the point of view of Indian Music.
   भारतीय संगीत की दृष्टि से नाट्यशास्त्र का महत्व बताइये!

2. Explain the contents of Sangeet Ratnakar in detail.
   संगीत रत्नाकर में निहित विषय वस्तुओं की विस्तृत व्याख्या कीजिये।

3. Give a short review of Sangeet Parijat or Chaturdandiprakashika.
   संगीत पारिजात अथवा चतुर्दण्डिप्रकाशिका का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

4. Describe the contents of Brihaddeshi with special reference to Raga.

बृहद्देशी की विषयवस्तुओं का राग विशेष के संदर्भ में वर्णन कीजिये।

5. Write in detail on **any one** of the following treatises:-
   a. Rag Vibodh
   b. Raga Tarngini

   निमनलिखित ग्रंथों में से **किसी एक** का विस्तृत विवरण दीजिए:-

   क. रागविबोध

   ख. राग तरंगिणी

6. What is the importance of Ragtavavibodh of Sriniwas in the field of Indian Music. Describe in detail.

   भारतीय संगीत के क्षेत्र में रागतत्वविबोध का क्या महत्व है? विस्तारपूर्वक व्याख्या किजिए।

7. Discuss the contribution of Fakirullah with the special reference to Raga Darpan.

   राग दर्पण के विशेष संदर्भ में फ़कीरुल्लाह के योगदान की चर्चा कीजिए।

8. Describe in detail about' Swarmelakalanidhi'.

   'स्वरमेलकलानिधि' की विस्तृत व्याख्या कीजिये।